आज की मुरली का सहज सार ---------- Date: 27-06-2014

बाबा ने कहा, निरन्तर याद रहे कि हमारा बाबा, बाप भी हैं, टीचर भी हैं तो सतगुरु भी हैं, यह याद भी मनमनाभव हैं.

बाबा ने पहले बताया हैं कि कई बच्चे मुझते हैं कि बिन्दु को कैसे याद करें. एक होता है स्वयं को आत्मिक स्थिति में स्थित कर परमधाम में परमपिता-परमात्मा को बिजरुप अवस्था में याद करना. लेकिन इसमें आत्मा को एकाग्रता कि शक्ति को युज कर, अपनी सूक्ष्म कर्मेन्दियॉ पर संपूर्ण कंट्रोल करना आवश्यक होता हैं. इसके लिए बहुत समय कि प्रैक्टिस भी जरूरी हैं.

इसलिए बाबा ने आज याद को सहज बनाने के लिए कहा बाबा के कर्तव्यों को याद करते बाबा के गुणगान करो. बाप कहते हैं कम से कम इस रीति मुझे याद करो इसको भी मनमनाभव कहते हैं.

बाबा ने आज मुरली में बाप को उनके कर्तव्यों के साथ कैसे याद करना है वह बताया हैं, उमसे से ही कुछ पॉइन्टस यहॉ दिये हैं.

- यह हमारा वन्डरफूल बाबा हैं. यह हमारा बेहद का बाबा भी हैं, बेहद का टीचर भी हैं और बेहद का सतगुरु भी हैं.

- फिर इनका कोई बाप नहीं, कोई टीचर नहीं और कोई सतगुरु नहीं.

- यह बेहद का बाबा हमें विश्व के मालिक बनाते हैं.

- बेहद का टीचर हमें बेहद कि शिक्षा देते हैं. सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का राज समझाते हैं.

- बेहद का सतगुरु हमें साथ ले जायेंगे, इस छी-छी दुनिया से छुडाते हैं, अपने धर (परमधाम) ले जाते हैं.

- यह तो हमारा बाबा हैं. इनका कोई मां-बाप नहीं. कोई कह नहीं सकते कि शिवबाबा किसी का बच्चा हैं.

- बेहद का टीचर पढ़ाते हैं लेकिन खुद कहा से पढ़ा नहीं हैं. वह नॉलेजफुल हैं, मनुष्य सृष्टि का बिजरूप हैं, ज्ञान का सागर हैं.

- चैतन्य होने के कारण सब कुछ सुनाते हैं.

- कल्प पहले भी बेहद के बाबा ने हमें ज्ञान देकर राज्य दिलाया था. राज्य लिया फिर गवाया फिर से ले रहे हैं. अभी बाप फिर से पढ़ा रहे हैं.

- ये बेहद कि पढ़ाई स्वयं भगवान हमें टीचर बन कर पढ़ा रहे हैं. ये तो कितनी खुशी कि बात हैं.

- ये कैसा बन्डरफूल बाप हैं. कल्प-कल्प हमें हर बात कि नॉलेज देते हैं.

- हमारा बाबा परमपिता हैं, परम टीचर हैं और परम सतगुरु हैं.

- ऐसे बेहद के बाप से हम बेहद कि बादशाही लेते हैं.

- ऐसे बाप को याद करते हम पावन बन जायेंगे और ऐसे याद करते-करते हमारी अन्त मति सो गति हो जायेंगी.

ॐ शांति. Please provide your feedback to Atmabhai on email a.brahmin.soul@gmail.com.